पर्वतीय क्षेत्रों में सब्जी मटर का सफल बीजोत्पादन

बीज एवं कीट प्रबन्धन

बीज एवं मूल विभंग - अकृपण से पूर्व एवं पूर्व उगने के बाद बीज गले जाते हैं। डिझाइन मिटटी में अधिक नमी होने पर रोग का प्रकोप बढ़ जाता है।

प्रबन्धन - इसकी रोकथाम के लिए बुवाई से पूर्व वायुमंडल एवं कार्बनोxdाइजेमिया की 2-25 ग्राम मात्रा प्रति किग्रा, बीज की सर के बीजोत्पादन के लिए

पत्ता अंगामारी - लाई के किनारे हिरसे पूरे या काले हो जाते हैं। पत्ते पूरे रंग के घबरे पत्ते पर बनते हैं। बाद मे अब घबरे पर हरी-णीली फूसड की बढ़ात दिखाई देती है। जहां रोग नीचे से ऊपर की तरफ तेजी से फैलता है।

प्रबन्धन - पत्ता अंगामारी के प्रवेश के हेतु 2-3 प्रमाण कैडेट पानी के दिखाया रखा जाता है।

संकेत विभंग - मूल में स्पर्श करने वाले पौधों के हिस्सों पर जलते हुए घबरे नजर आते हैं। पूरा अनुभव गुहार होने पर पत्ते हिरसे पर सफेद कहीं दिखाई देती है। रोगप्रजनन भार गले जाते हैं तथा पत्ते भागों में फूसड के कारण-काले सबसे बड़े होते हैं। जो अगले बार रोग का प्रकोप में रहता है।

प्रबन्धन - पौधों के कीटों में हिस्से पर संकेत विभंग रोग के लक्षण दिखाई देते ही एक ग्राम कार्बनोxdाइजेमिया प्रति लीटर पानी की दर से फिका रखा जाता है।

पृथ्वी अस्थाय - पत्ती, कान्ठों, तीन एवं पौधों के अन्य भागों पर सफेद पुलिया की तरह अस्थायी दूर अंदर में न्यून दिखाई पड़ती है। इस रोग का प्रकोप चुक का गरम पिंक में अधिक होता है।

प्रबन्धन - पृथ्वी अस्थाय के संकेत बाहर दिखाई देने पर बास्क गंध का बुक्का (25 किग्रा, प्रति हैंडग्राम) करें अथवा पुतली के गंध का 2 ग्राम प्रति लीटर पानी या कोकसेम (पात्र मिले, प्रति लीटर पानी) का उपयोग करें।

उपचार या नानाजी - फूसड जलने तो इस रोग में संक्रमित पौधे सुधार जाते हैं। यह रोग पौधों की नजदीकी से होते हैं जो निचले भाग के अच्छे से संक्रमित कर देता है। चीरकर देखते दे पूरा-पूरा भाग मूल दिखाई देता है।

प्रबन्धन - रोग में कमी लाने के लिए बीजोत्पादन करें। इसके लिए शाडम 3 ग्राम अथवा शाडम 2 ग्राम एवं कार्बनोxdाइजेमिया 1 ग्राम दाम प्रति किग्रा, बीज प्रचारक करते हैं।

फल बेचक/खेजर - फल रूप में डालने के लिए रंग की चुड़ावा खाती है। फल में कम एवं छोटे निकलते हैं।

पत्ता सूरज - पत्ता पर संप तथा रंग की तरह सफेद लाइयाँ दिखाई देती हैं। ये कीट पत्ता की ऊपरी सतह के नीचे हैं।

प्रबन्धन - फली के लेख तथा पत्ता सूरज कीटों के नियंत्रण अथवा प्रभावणित करने का दूर देखा कम है।

फलों की तुलादारी एवं बीजों का निकालना

जब अगर हृदय 90 प्रतिशत मटर के फलों में पूरे रंग की हो जाता तब बीजों के जड़ संदर्भ उबाङड बढ़ें। देंते हैं।

अधिक जानकारी के लिए सम्पादन करें -

विशेषज्ञ

विवेकनादन पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
(भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान)
अल्मोड़ा 263 601 (उत्तराखंड)

आलेख

निमन कृषि हेड्काट, लामी कहाना, अभिनव गैहेल,
के.ए.सी. हूडा एवं जे. स्टेनले

ताकनीकी सहयोग

श्रेणी लाल
कपलैका एवं अभिविद्या
डा. के. श्रीकृष्णस एवं डा. जे.के. शिवप्रसाद

मुनुण सहयोग

पी.के. चौबी, श्रीमती रेणु सनवाल एवं आर.के. कनौजिया

निदेशक, विवेकनादन पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान(भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान),
अल्मोड़ा-263 601 (उत्तराखंड) द्वारा संचालित द्वारा संचालित प्रकाशित एवं वीडियो एडिट
परिचारिका, बी.ए.सी. माता र. रिकार्ड-1110029 हृदय : 255871439, 455767800, मोबाइल : 9811808907, 204515015 से भुल ना।
भीज पानी के बीच में ग्रामीण ग्रामीण में बीज के एक प्रमुख संबंध है।

प्रथम: यह देखा गया है कि जैसे-जैसे राजस्थान के सशस्त्र उद्योग का क्षेत्र बढ़ता जा रहा है, वन-फसल के राजस्थान के बीज पांचवाड़ा में बढ़ता जा रहा है। भीज मूलतः भारत के मुख्य उत्तर-पश्चिम भारत के उत्तर-पश्चिम क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण संस्कृति है।

विवेक में 8

प्रमुख विशेषता - पांच की लम्बाई 65 से 70 से मिमी., हल्की हरी फूली, हल्का हरी दुर्लभ बीज, उंचाई लम्बाई हाथ की तीन गुणवत्ता के लिए उच्चतम है।

विवेक में 9

प्रमुख विशेषता - पांच की लम्बाई 65 से 70 से मिमी., हल्की हरी फूली, हल्का हरी दुर्लभ बीज, चूरूली आलिस्टा एवं सफेद विनलेन रोम के प्रति सहलीन है।

विवेक में 10

प्रमुख विशेषता - पांच की उंचाई 50 से 60 से मिमी., हल्की हरी फूली, हल्का हरी दुर्लभ बीज, चूरूली आलिस्टा एवं सफेद विनलेन रोम के प्रति सहलीन है।

बुवाई का समय

विचले एवं वन पांचवाड़े क्षेत्रों में बीज पांच की बुवाई का उद्देश्य साधन होता वन के उद्देश्य पांचवाड़ा है।

बीज दर एवं बुवाई की विधि

नवरह 8

बुवाई के दर 100 किमी. प्रति है। बीज का घर पूर्ण है। बीज को बोने देव के क्रम के राजस्थान के एक और क्षेत्र 2.5 है। बुवाई का दर 30 किमी. प्रति किमा। बीज की दर 8 से 10 किमी. प्रति किमा। बुवाई का दर 30 किमी. प्रति किमा। बीज की वृक्ष का अनुभव कर उन्नयन करें।

विचल वर्ग

20 किमी. (0.4 किमी. /पल्ली) नागरिक, 60 किमी. (1.2 किमी. /पल्ली) फार्मासेउटिकल क्षेत्र तथा 20 किमी. (0.4 किमी. /पल्ली) फार्मासेउटिकल क्षेत्र में उपस्थित करें। उद्योगों के बुवाई के समय के 30 मिनट से अधिक काल के समय में अधिकतार विशेषता कर उन्नयन करें।